

लैब से बाजार तक पहुंचेगी तकनीक प्रदेश में बनाया जाएगा बायोई-3 सेल

लखनऊ। प्रदेश में जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान, नई तकनीकों के विकास और जैव विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए राज्य स्तरीय बायोई-3 सेल बनाई जा रही है। इसमें प्रमुख वैज्ञानिक संस्थानों के विशेषज्ञों को शामिल किया गया है।

बायोई-3 पहल के तहत अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और रोजगार के लिए जैव प्रौद्योगिकी के उपयोग पर जोर दिया जाएगा। इसके लिए गठित पैनल का संयोजक यूपीपीपीसी के महाप्रबंधक (अनुसंधान एवं नवाचार) प्रो. संदीप शर्मा को बनाया गया है। कमेटी में नाइपर रायबरेली के सहायक प्रोफेसर डॉ. रविंदर कुमार कौंडल, सीएसआईआर-आईआईटीआर के वैज्ञानिक-जी डॉ. रजनीश कुमार चतुर्वेदी और

शोध व उद्योगों के बीच बढ़ेगा तालमेल

सीएसआईआर-सीडीआरआई के वैज्ञानिक-जी डॉ. रविशंकर रामचंद्रन, आईआईटी (बीएचयू) वाराणसी के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. प्रांजल चंद्रा, सीबीएमआर लखनऊ के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सैयद मसूद हुसैन, सीएसआईआर-सीआईएमएपी के वैज्ञानिक-जी डॉ. करुणा शंकर और आईआईटी कानपुर के प्रो. जे. रामकुमार को शामिल किया गया है। बायोई-3 पहल के तहत प्राथमिकता वाले कार्यक्रम तय करने के लिए केंद्र सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) के साथ बैठक प्रस्तावित है। ब्यूरो